नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

पर्यटक बोले... एमपी के गांवों में है असली जीवन

रूरल टूरिज्म ने प्रदेश को दी नई पहचान, 1 साल में 57 फीसद बढ़ी पर्यटकों की दस्तक, ग्रामीण पर्यटन में एमपी नौवें पायदान पर

- कहीं फिल्मों की शूटिंग तो कहीं जनजातीय जीवन बना पर्यटन का नया अनुभव

नवभारत टीम

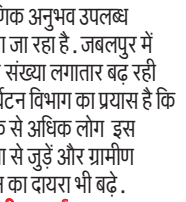
भोपाल, 4 अक्टूबर. प्रदेश के ग्रामीण पर्यटन ने उड़ान भरना शुरू कर दी है. अब देश के शीर्ष प्रदेशों में शुमार है. सितारा होटलों को हिल्स स्टेशनों से इतर गांवों में पर्यटकों रुख इसे हवा दे रहा है. देशी-विदेशी पर्यटकों के साथ ये टूरिस्ट स्पॉट रुपहले पर्दे की भी पसंद के रूप में उभर रहे हैं. इसकी वजह ग्रामीण परिवेश, शहरी चमक-दमक से दूर... चिड़ियों से सुबह की शुरुआत, चूल्हे पर पका भोजन, शुद्ध हवा और आत्मीय अतिथि सत्कार है. प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में विकसित हो रहे होमस्टे स्थानीय परिवारों को पर्यटकों से सीधे जोड़ रहे हैं. पर्यटक जहां गांव में कुछ दिन सुकून तलाशने पहुंच रहा है, वहीं गांव में उसके आने से रोजगार और आय की नई गतिविधियों की राह भी खुल रही है. छिंदवाड़ा का सावरवानी, इंदौर बड़खेड़ा, सीधी का बकवा, ग्वालियर का अटेर मॉडल टूरिज्म विलेज के रूप में विकसित हो चुके हैं.



अब तक ग्रामीण पर्यटन पर इस तरह से हो चुका काम

मध्यप्रदेश में वर्तमान में संचालित होम-स्टे **666**

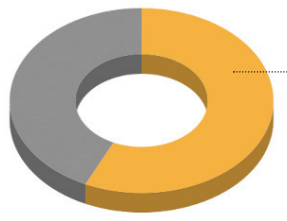
2026-27 में नए पंजीकृत होमस्टे **277**

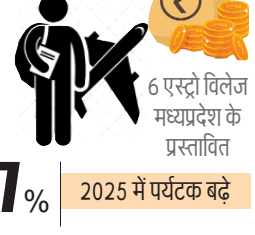


अकेले जबलपुर में होमस्टे **100**

10 होमस्टे सीधी के बकवा में किए जाएंगे विकसित

15 लाख सालाना राजस्व जबलपुर से





6 एस्ट्रो विलेज मध्यप्रदेश के प्रस्तावित

57% 2025 में पर्यटक बढ़े

सीधी | छह घर बने पर्यटकों के ठिकाने

मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड, इन्द्रवती नाट्य समिति सीधी और स्थानीय समुदाय के सहयोग से ग्राम पंचायत बकवा में होमस्टे परियोजना विकसित की गई है. पहले चरण में छह होमस्टे का संचालन शुरू हो चुका है. कुल 10 होमस्टे विकसित किए जाने हैं. पहले चरण में घोटिहारी, सइलाडंडा, करमा, संगम, सुआ छपइया और डमरू होमस्टे शामिल हैं. इनके संचालन से स्थानीय परिवार सीधे पर्यटन गतिविधियों से जुड़ेंगे.

गांव में रुकेगा पैसा

- सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के मुताबकि प्रदेश सरकार की होमस्टे परियोजना जनजातीय अंचल की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और परंपराओं को देश-विदेश तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी और रोजगार-स्वरोजगार के अवसर बढ़ाएगी.
- धौंहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक जीवनशैली क्षेत्र की बड़ी पहचान है. होमस्टे इसे पर्यटन से जोड़ने का माध्यम बन रहा है.

छिंदवाड़ा | सावरवानी में पहले पर्यटक आए... अब फिल्मों के कैमरे भी

होमस्टे से ग्रामीणों को आय, युवाओं को काम और महिलाओं को मेहमाननवाजी से रोजगार

छिंदवाड़ा. सतपुड़ा की गोद में बसा सावरवानी अपनी हरियाली और ग्रामीण परिवेश के कारण पर्यटकों को खींचता था. अब यही खूबसूरती फिल्म निर्माताओं को भी आकर्षित कर रही है. हाल ही में बंगाल से आई टीम ने यहां बंगाली फिल्म 'रायसेन रहस्य' की करीब एक सप्ताह शूटिंग की. नवंबर और दिसंबर में दो हिंदी फिल्मों की शूटिंग प्रस्तावित है. यह बदलाव अचानक नहीं आया. पर्यटन विभाग ने सावरवानी को ग्रामीण पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया और 14 जनवरी 2014 से यहां होमस्टे की शुरुआत हुई. अब तक देश के कई राज्यों के साथ फ्रांस, यूएई, स्वीडन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूके से पर्यटक यहां आ चुके हैं.

फिल्म टीम आई तो गांव में कई हाथों को मिला काम

शूटिंग के दौरान होमस्टे संचालक परिवारों को ठहरने से आय मिली. युवाओं को शूटिंग टीम के साथ सहयोगी के रूप में काम मिला, जबकि महिलाओं ने भोजन और मेहमाननवाजी संभाली .पर्यटन से शुरू हुई पहचान अब फिल्म शूटिंग तक पहुंची है और इससे गांव में रोजगार के अतिरिक्त अवसर बने हैं. नोडल अधिकारी बलराम राजपूत ने बताया कि सावरवानी को मॉडल होम-स्टे गांव के रूप में विकसित किया गया है. विदेश से पर्यटक यहां आ चुके हैं और प्रदेश के कई जिलों के अध्ययन दल भी सावरवानी का मॉडल देखने पहुंचे हैं.

वर्ष 2025 में वर्ष 2024 की तुलना में बढ़ी पर्यटकों की संख्या

7,64,32,229



2025 में मध्य प्रदेश पहुंचे कुल पर्यटक

21.05 करोड़

गोवा, हिमाचल को पीछे छोड़ा

मध्य प्रदेश हिमाचल प्रदेश और गोवा की तुलना में अधिक घरेलू पर्यटकों को आकर्षित करता है, भारत के हृदय में प्रतिदिन 500 विदेशी और 3.82 लाख घरेलू पर्यटक आते हैं. अब देश के पर्यटन मानचित्र को नया रूप दे रहा है. 2025 के नए आंकड़ों से पता चलता है कि राज्य ने गोवा और हिमाचल प्रदेश जैसे पारंपरिक पसंदीदा पर्यटन स्थलों को पीछे छोड़ दिया है, जहां घरेलू पर्यटकों की संख्या में गिरावट देखी गई है.

ग्वालियर : टूरिस्ट विलेज मॉडल अब अटेर, मितावली और पढ़ावली तक पहुंच रहा



ग्वालियर-चंबल अंचल को पर्यटन के बड़े सर्किट से जोड़ने की कवायद के बीच गांवों को टूरिस्ट विलेज के रूप में विकसित करने की योजना तेजी से आकार ले रही है. दिल्ली-आगरा-ओरछा पर्यटन सर्किट के बीच स्थित ग्वालियर की ऐतिहासिक धरोहरों के साथ अब पर्यटकों को ग्रामीण जीवन, स्थानीय संस्कृति और देसी खान-पान का अनुभव कराने पर जोर है. शिवपुरी में करीब एक दशक पहले शुरू हुआ टूरिस्ट विलेज मॉडल अब अटेर, मितावली और पढ़ावली तक पहुंच रहा है. मुरैना के ऐतिहासिक मितावली-पढ़ावली गांवों को रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन के तहत ग्रामीण पर्यटन परियोजना में शामिल किया गया है. बताया जा रहा है कि इन स्थानों में देसी बाजरे की रोटी, दाल-रोटी, मालपुआ और खीर जैसे पारंपरिक व्यंजन भी इस अनुभव का हिस्सा बनाए जा रहे हैं.

> होमस्टे के जरिए पर्यटकों को मध्य प्रदेश के गांव, खान-पान और स्थानीय संस्कृति से सीधे जुड़ने का अवसर मिल रहा है. जबलपुर में इसकी संभावनाएं काफी व्यापक हैं. होमस्टे बढ़ने से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और स्थानीय आय के नए स्रोत तैयार हो रहे हैं.
> **-शरद दीक्षित,** अध्यक्ष, होमस्टे वेलफेयर सोसायटी, मध्य प्रदेश

> होमस्टे के माध्यम से पर्यटकों को स्थानीय परिवेश और ग्रामीण जीवन का प्रामाणिक अनुभव उपलब्ध कराया जा रहा है. जबलपुर में इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है. पर्यटन विभाग का प्रयास है कि अधिक से अधिक लोग इस योजना से जुड़ें और ग्रामीण पर्यटन का दायरा भी बढ़े.
> **-नवीन शर्मा,** क्षेत्रीय प्रबंधक, मप्र पर्यटन विभाग, जबलपुर

> प्रदेश में अब तक 418 ग्रामीण होमस्टे स्थापित किए जा चुके हैं. इन होमस्टे में 34 हजार से अधिक पर्यटक, जिनमें विदेशी मेहमान भी शामिल हैं, ग्रामीण जीवन, स्थानीय संस्कृति और पारंपरिक आतिथ्य का अनुभव कर चुके हैं. इस पहल से ग्रामीण परिवारों ने 7.33 करोड़ से अधिक की अतिरिक्त आय अर्जित की है. ग्रामीण होमस्टे योजना न केवल पर्यटकों को प्रदेश के ग्रामीण जीवन से जोड़ रही है, बल्कि ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित कर रही है.



> **-डॉ. इलैयाराजा टी,** प्रबंध संचालक, एमपी टूरिज्म बोर्ड

इंदौर | बड़खेड़ा में गांव जीने लगे

खेत की सब्जी व मिट्टी-कवेलू के घर बने आकर्षण

इंदौर. कालाकुंड की पहाड़ियों, जंगल और हरियाली देखने आने वाले पर्यटकों के लिए अब बड़खेड़ा सिर्फ रास्ते में पड़ने वाला गांव नहीं है. यहां पर्यटक रुक रहे हैं. मिट्टी-कवेलू के घर में ठहर रहे हैं, चूल्हे पर बना खाना खा रहे हैं और खेत से सीधे आई सब्जियों का स्वाद ले रहे हैं. यानी प्रकृति देखने के बाद अब गांव के जीवन को महसूस करना भी उनकी यात्रा का हिस्सा बन रहा है. होमस्टे के संचालक सूरज यादव ने बताया कि मानसून में कई बार रोज बुकिंग रहती है और सप्ताह के अंत में पर्यटकों की संख्या बढ़ जाती है. ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि पर्यटक अब सिर्फ घूमने नहीं, ग्रामीण परिवेश में कुछ समय बिताने के लिए भी खर्च करने को तैयार हैं.



एक अड़चन दूर हो तो पंख लगे पर्यटन को : यहा भगोरा-कालाकुंड मार्ग का करीब तीन किमी कच्चा घाट सेक्शन पर्यटन विस्तार के रास्ते में चुनौती है. सड़क की सुविधा बेहतर होने पर इस क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही और बढ़ने की संभावना है.

9 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों को 36 करोड़ बोनस

- सीएम ने 74 विकास कार्यों का किया भूमिपूजन
- वन समितियों को 26 करोड़ का लकड़ी लाभांश भी मिला

नवभारत न्यूज

मंडला, 4 अक्टूबर . मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को मंडला में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के 9 लाख से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहकों के खातों में 36.17 करोड़ रुपए की बोनस राशि अंतरित की.



इस दौरान मंडला के साथ जबलपुर, डिंडौरी, बालाघाट और सिवनी जिलों के संग्राहक भी लाभान्वित हुए. मुख्यमंत्री ने 84 वन समितियों को 26.56 करोड़ रुपए का लकड़ी लाभांश भी वितरित किया. इसके अलावा जिले में करीब 460 करोड़ रुपए की लागत के 74 विकास कार्यों की सौगात दी.

नक्सलवाद खत्म होने का किया दावा : मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मंडला, डिंडौरी और बालाघाट जैसे क्षेत्रों से नक्सलवाद खत्म हुआ है. उन्होंने प्रदेश के बजट में हुई वृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान में राज्य का बजट 4 लाख 38 हजार करोड़ रुपए से अधिक हो गया है. मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उस समय अधिकारियों और कर्मचारियों को तबादलों के नाम पर डराया-धमकाया जाता था. कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके और सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे. तेंदूपत्ता बोनस और लकड़ी लाभांश के वितरण को वन समितियों तथा संग्राहकों की आय से जोड़कर देखा जा रहा है. वहीं विकास कार्यों के भूमिपूजन और लोकार्पण के जरिए जिले में बुनियादी सुविधाओं तथा निर्माण परियोजनाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया.

47 कार्यों का भूमिपूजन 27 का लोकार्पण

सिद्ध टेकरी, बड़ी खैरी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 263 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले 47 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया. वहीं 197 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से पूरे हुए 27 कार्यों का लोकार्पण किया. इन परियोजनाओं से जिले में विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है.

46 हजार किलो ड्रग्स जब्त, फिर भी नहीं टूटी नशे की सप्लाई चेन

विशेष प्रतिनिधि

भोपाल, 4 अक्टूबर. मध्यप्रदेश को वर्ष 2029 तक ड्रग्स और नशे के कारोबार से मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है. इसके लिए सरकार और सुरक्षा एजेंसियां तस्करी के पूरे नेटवर्क को तोड़ने की तैयारी कर रही हैं. हालांकि, प्रदेश में नशे का कारोबार कई स्तरों पर फैला हुआ है. गहरी जड़ें जमा चुका है.

पुलिस, राजनेता तक लिप्त हैं. जनवरी से अगस्त 2026 के बीच प्रदेश में एनडीपीएस एक्ट के तहत 2,706 मामले दर्ज हुए और 3,690 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. इस दौरान 46,313 किलो मादक पदार्थ भी जब्त किया गया. इन आंकड़ों से साफ है कि पुलिस और जांच एजेंसियां कार्रवाई कर रही हैं, लेकिन चुनौती सिर्फ छोटे तस्करों या नशे की खेप पहुंचाने वालों तक सीमित नहीं है. बड़े तस्कर पूरे नेटवर्क को चलाते हैं. इसमें नशे की व्यवस्था करने से लेकर उसे छिपाने, एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने, बेचने और पैसों का इंतजाम करने वाले लोग शामिल होते हैं. भोपाल के बगरोदा में सामने आई करीब 1,814 करोड़ रुपए कीमत की एमडी ड्रग्स फैक्ट्री ने भी इस नेटवर्क की गहराई सामने लाई. एनसीबी की चार्जशीट के अनुसार शोएब लाला को मामले का मुख्य आरोपी और हरीश आंजना को उसका प्रमुख सहयोगी बताया गया है.

अब जिलेवार तैयार होगी ड्रग्स की कुंडली

नई रणनीति के तहत जिलों में सक्रिय बड़े तस्करों और उनके नेटवर्क की जानकारी जुटाई जाएगी. सप्लायर, पैसा लगाने वाले, नशे को रखने की जगह और उसे पहुंचाने वालों की अलग-अलग पहचान की जाएगी. ड्रग्स के हॉटस्पॉट और स्कूल-कॉलेजों के आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों की भी पहचान की जाएगी. इसके अलावा तस्करों की अवैध संपत्ति की जांच, प्रमुख तस्करी रास्तों पर निगरानी और राज्य पुलिस तथा केंद्रीय एजेंसियों के बीच सूचनाओं का तेजी से आदान-प्रदान करने पर भी जोर दिया जा रहा है.

पूर्व भाजपा नेता के बेटे के घर से शराब जब्त

दतिया, 4 अक्टूबर . अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सिविल लाइन पुलिस ने उनाव रोड स्थित बस बाड़ी के पास एक मकान से करीब 59 लीटर देशी और अंग्रेजी शराब बरामद की है. पुलिस ने मौके से दो आरोपियों मुकेश साहू और सक्षम चतुर्वेदी को गिरफ्तार किया, जबकि राकेश साहू फरार हो गया.

गुस्ताखी माफ



शराब मुक्ति से हो अभियान की शुरुआत : उमा भारती

नवभारत न्यूज

भोपाल, 4 अक्टूबर. मध्यप्रदेश को नशामुक्त बनाने के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के ऐलान के बाद पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने शराबबंदी को लेकर अपनी पुरानी मांग फिर उठाई है.

उन्होंने कहा है कि नशामुक्ति अभियान का पहला चरण शराब मुक्ति होना चाहिए. उमा भारती ने रविवार को सोशल मीडिया पर जारी संदेश में प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लक्ष्य का स्वागत किया और कहा कि शराब मुक्ति को अभियान की शुरुआत का पहला कदम बनाया जाए. उमा भारती के मुताबिक शराब की लत लगने के बाद व्यक्ति दूसरे नशीले पदार्थों की ओर बढ़ सकता है. इसलिए मध्यप्रदेश को नशामुक्त बनाने की पहल में पहले शराब से मुक्ति पर ध्यान दिया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को नशामुक्ति का केंद्र बनाने का असर पूरे देश पर पड़ेगा. दरअसल, अमित शाह ने 3 अक्टूबर को भोपाल में मध्यप्रदेश को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य रखा था. उन्होंने कहा था कि 31 दिसंबर 2029 से पहले प्रदेश को नशीले पदार्थों से मुक्त करने की दिशा में केंद्र और राज्य सरकार मिलकर योजना तैयार करेंगे. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस लक्ष्य को लेकर योजना बनाने की बात भी कही गई थी. उमा भारती लंबे समय से मध्यप्रदेश में शराबबंदी की मांग करती रही हैं.



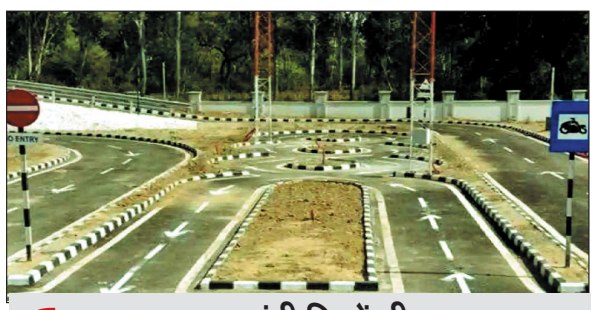
नशामुक्त ऐलान पर पूर्व बीजेपी नेता ने की मांग

सौगात | केंद्र सरकार की मदद से एमपी के 8 पिछड़े जिलों की बदलेगी तस्वीर

61 ड्राइविंग स्कूल, फिटनेस सेंटर खुलेंगे

भोपाल, 4 अक्टूबर. राज्य के पिछड़े जिलों में ड्राइविंग प्रशिक्षण स्कूल, स्क्रैपिंग सेंटर और वाहन फिटनेस सेंटर खोले जाएंगे। इन केंद्रों की स्थापना में भारत सरकार का सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करेगा.

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर भारत सरकार ने देश में 120 आकांक्षी जिलों की पहचान की है. ये ऐसे जिले हैं जो सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हैं. केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मध्य प्रदेश के ऐसे जिलों में ड्राइविंग प्रशिक्षण, स्क्रैपिंग और वाहन फिटनेस सेंटर खोलने के लिए राज्य को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है. इस योजना का मुख्य उद्देश्य पिछड़े क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करना, सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना और पुराने व प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को वैज्ञानिक तरीके से स्क्रैप करना है.



आठ आकांक्षी जिलों की पहचान

देशभर के 120 जिलों में से मध्य प्रदेश के आठ जिले—छतरपुर, दमोह, बड़वानी, राजगढ़, विदिशा, गुना, सिंगरौली और खंडवा—को स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, बुनियादी ढांचे और वित्तीय समावेशन जैसे सामाजिक-आर्थिक मानकों में पिछड़ने के कारण तेजी से विकास (कायाकल्प) के लिए चिन्हित किया गया है. सरकार पुराने बसों को स्क्रैप करने के लिए प्रोत्साहन भी देगी. राज्य में आठ स्क्रैपिंग सेंटर संचालित हैं; 21 और की जरूरत है. राज्य में 30 परीक्षण केंद्र संचालित हैं; छह और बनाने की जरूरत है. 29 ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्रों को मंजूरी दी गई है और 61 ड्राइविंग प्रशिक्षण स्कूल प्रस्तावित हैं.

प्रेमानंद के आश्रम से सागर का साकेत भी लापता

नवभारत न्यूज नेटवर्क

वृंदावन, 4 अक्टूबर. मथुरा-वृंदावन स्थित प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम से श्रद्धालुओं के लापता होने के मामलों में एक और नया नाम जुड़ गया है. मध्य प्रदेश के सागर जिले के जरुआखेड़ा के पास स्थित जलंधर गांव का निवासी साकेत नामदेव पिछले 12 सितंबर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता है.

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, जलंधर निवासी साकेत नामदेव संत प्रेमानंद महाराज के प्रति अगाध श्रद्धा रखता है. वह 1 सितंबर को दर्शन और सत्संग के लिए वृंदावन गया था. 12 सितंबर तक साकेत की अपने परिजनों से फोन पर नियमित बातचीत हो रही थी. लेकिन 12 सितंबर के बाद से उसका मोबाइल बंद आने लगा और परिजनों से उसका संपर्क पूरी तरह कट गया.



12 सितंबर से बेटा गायब, बिलख रहा परिवार

खुद चिपकाए पोस्टर: जब कई दिनों तक साकेत का कोई सुराग नहीं मिला, तो घबराए परिजन खुद मध्य प्रदेश से मथुरा-वृंदावन पहुंचे. परिवार ने आश्रम और आसपास के इलाकों में खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला. साकेत के पिता रामगोपाल नामदेव और चाची संध्या नामदेव ने आरोप लगाया कि वृंदावन की स्थानीय पुलिस ने उनकी शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दिया.